हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
रविवार
1 जून 2026, बरेली

PAGE NO : 02 MIDDLE

बरेली में पहली बार रोबोट ने किया घुटना प्रत्यारोपण

एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में रोबोट की मदद से घुटना प्रत्यारोपण किया गया।

बरेली, संवाददाता। शहर के स्टेडियम रोड स्थित एसआरएमएस गुड लाइफ हॉस्पिटल में शुक्रवार को पहली बार फुली ऑटोमेटेड रोबोटिक तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण (टोटल नी रिप्लेसमेंट) सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. ध्रुव गोयल ने 70 वर्षीय महिला के घुटनों का सफल ऑपरेशन किया। अस्पताल का दावा है कि कुमाऊं-रुहेलखंड क्षेत्र में इस तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण करने वाला यह पहला अस्पताल बन गया है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी इसे बड़ी सफलता बताया। डॉ. गोयल ने बताया कि शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती 70 वर्षीय महिला के दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण रोबोट की मदद से किया गया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक घुटना प्रत्यारोपण में हड्डी की कटिंग और इम्प्लांट लगाने का अधिकांश कार्य सर्जन स्वयं करते हैं, जबकि रोबोटिक प्रणाली में मरीज का पूरा डेटा मशीन में फीड कर उसे हड्डी से जोड़ा जाता है। इसके बाद रोबोट 3डी तकनीक की मदद से अत्यंत सटीक तरीके से हड्डी की कटिंग करता है। इससे मानव त्रुटि की संभावना काफी कम हो जाती है और इम्प्लांट की सटीक फिटिंग सुनिश्चित होती है। इससे जटिल मामलों में भी पैरों का सही एलाइनमेंट करना आसान हो जाता है।

कम दर्द, तेजी से रिकवरी

डॉ. गोयल के अनुसार रोबोटिक सर्जरी में मांसपेशियों को अपेक्षाकृत कम नुकसान पहुंचता है, जिससे मरीज को कम दर्द होता है और रिकवरी भी तेजी से होती है। फिजियोथेरेपी की आवश्यकता भी कम पड़ती है। ऑपरेशन के लगभग छह घंटे बाद ही मरीज को चलाया जा सकता है, जबकि करीब 15 दिनों में अधिकांश दवाएं बंद हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि पहले घुटना प्रत्यारोपण पर तीन से चार लाख रुपये तक खर्च आता था। अब यह सुविधा बरेली में अपेक्षाकृत कम लागत पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे मरीजों को दिल्ली जैसे महानगरों की तुलना में बेहतर और किफायती इलाज मिल सकेगा।